पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव, जोधपुर में आफरी की भागीदारी
7.1.2016 से 17.1.2016

जिला उद्योग केन्द्र, जिला प्रशासन एवं इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 7.1.2016 से 17.1.2016 तक जोधपुर में आयोजित पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान जोधपुर ने अपनी शोध गतिविधियों, उपलब्धियों एवं विकसित तकनीकों का स्टाल लगाकर प्रदर्शन किया। उत्सव के केन्द्रीय पण्डाल में लगायी गयी प्रदर्शनी में कृषि वानिकी, चारागाह विकास, नमक प्रभावित बंजर भूमि का पुनर्वासन, जैव जल निकास से जल भराव क्षैत्र का सुधार, कार्बन सिक्वेस्ट्रेशन (*Carbon Sequestration),* पौधारोपण के लिए सूक्ष्म जल संग्रहण क्षेत्र, शुष्क एवं अर्धशुष्क क्षेत्रों मे पाये जाने वाले औषधियुक्त पौधों का सर्वेक्षण तथा कृषिकरण, जल प्रबंधन, टिब्बा स्थिरीकरण में सतही वनस्पति का उपयोग, उद्गम स्त्रोत परीक्षण, गुग्गल पर अनुसंधान, संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्यौगिकियां, इत्यादि विषयों से संबंधित पोस्टर, वनों से प्राप्त होने वाले कतिपय वन उत्पाद जैसे तेल, गोंद, औषधियों आदि से संबंधित सामग्री, विभिन्न प्रकार की वृक्ष एवं घास प्रजातियों के बीजों तथा विभिन्न प्रकार की मिट्टी का प्रदर्शन किया गया ।

इनके अतिरिक्त संस्थान की प्रायौगिक पौधाशाला में तैयार, रेगिस्तानी क्षेत्र में पनपने वाली प्रमुख वृक्ष प्रजातियों जैसे खेजडी (*Prosopis cinereria),* रोहिड़ा (*Tecomella undulata*), कुमट (*Acacia senegal*), जाल (*Salvodara persica*) सहित, नीम (*Azadirachta indica*), शीशम (*Dalbergia sisoo*), अमलताल (*Cassia fistula*), बेलपत्र (*Aegle marmelos*), सेमल (*Bombax ceiba*), बादाम (*Terminalia catappa*), अर्जुन (*Terminalia arjuna*), इत्यादि पौधों का रूट ट्रेनर बॉक्स में प्रदर्शन भी किया गया । संस्थान द्वारा जारी किये गये संस्थान की शोध गतिविधियों से संबंधित सूचना पुस्तिका/ब्रोशर्स (Brochures), फोल्डर (folder), पत्रक/पर्चे (leaflet) इत्यादि का भी वितरण किया गया ।

प्रदर्शनी का दिनांक 15.1.2016 को संस्थान के निदेशक श्री एन.के.वासु, भा.व.से. ने अवलोकन किया तथा उचित मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रदर्शनी के दौरान कृषि वानिकी एवं

विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने भी संस्थान की शोध गतिविधियों एवं विभिन्न वानिकी विषयों से संबंधित जानकारी आगन्तुकों को उपलब्ध करायी। इस स्टाल का संचालन श्री करना राम चौधरी, अनुसंधान अधिकारी द्वितीय, श्री रतनाराम लोहरा, अनुसंधान सहायक-प्रथम, श्री नरेन्द्र कुमार लिम्बा, अनुसंधान सहायक-प्रथम, श्री पी. आर. नागौरा, अनुसंधान सहायक-प्रथम, श्री जे.पी. दाधीच, अनुसंधान सहायक-प्रथम, श्री बी. आर. विश्नोई, अनुसंधान सहायक-द्वितीय, श्री प्रेमसिंह साँखला, अनुसंधान सहायक-द्वितीय, श्री महिपाल विश्नोई, अनुसंधान सहायक-द्वितीय, श्री अनिल सिंह चौहान, अनुसंधान सहायक-द्वितीय, श्री धानाराम, अनुसंधान सहायक-द्वितीय, ने किया तथा संस्थान की शोध गतिविधियों से आगन्तुकों को अवगत कराया । उत्सव में स्टॉल पर आने वाले आगन्तुकों की वानिकी एवं वानिकी अनुसंधान से संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया ।

उत्सव के दौरान दिनांक 13.1.2016 को राजस्थान में फार्मासियूटीकल, वानस्पतिक औषधी एवं मेडिकल डिवाइस उद्योगों की वृद्धि एवं विकास हेतु समस्याएँ एवं समाधान (Problems and Solutions for the Growth and Development of Pharmaceutical, Herbal Medicine and Medical Device Industries in Rajasthan) विषय पर आयोजित सेमीनार में संस्थान (आफरी) की तरफ से कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने भाग लिया तथा संस्थान के औषधियों पादपों से संबंधित शोध कार्यो की जानकारी दी। श्री चौधरी ने आक (*Calotropis procera*) कांटी (*Tribulus terrestris & T. rajasthanensis*)एवं रासना (*Pluchea lanceolata*) तथा गुग्गल गम (*Commiphora whightii*) से संबंधित शोध के बारे में बताया। श्री चौधरी ने जलवायु परिवर्तन एवं घटते भू-जल स्तर के मद्देनजर कृषि वानिकी के अन्तर्गत औषधीय पादपों की महत्ता की चर्चा भी की ।

अनुसंधान कार्यो एवं उपलब्धियों को प्रदर्षित करने के लिये उत्सव में लगायी गयी स्टाल की व्यवस्था संबंधी कार्य डॉ. बिलास सिंह, वैज्ञानिक -बी ने किया । श्री तेजा राम, श्री जगदीश प्रसाद गहलोत, श्री ज्योतिप्रकाश चौबे, श्री महिपाल मेहरा, श्री राजाराम, श्री आर.पी. नायक, श्री कान सिंह और श्री लादूराम मेहरा ने स्टाल की देखरेख तथा अन्य विविध कार्यो में सहयोग किया ।

सुस्वागतम्
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी)